पत्रिका

All Rights Reserved With Rajasthan Patrika

Fri, 29 Sep-17; Rajasthan Patrika - Delhi; Size : 474 sq.cm.; Circulation:7641; Page : 3

'जल अभियानः जन अभियान' : बोले सद्गुरु...

'जल संरक्षण का यहां अच्छा काम, क्रियान्वयन हो जल्द'

पत्रिका बिग इश्यू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण का अच्छा काम हो रहा है, इसका क्रियान्वयन जल्द होना चाहिए। वे गुरुवार को 'नदी अभियान' के तहत सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित 'जल अभियानः जन अभियान' में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी बचाने का कार्य दूसरे राज्यों से कई गुणा बेहतर है। लेकिन, ये काम 7-8 साल नहीं बल्कि 1-2 साल में पूरा होना जरूरी है। सद्गुरु नदी, जलस्रोत व मिट्टी को बचाने के लिए कन्याकुमारी से हिमालय तक रैली निकाल रहे हैं। रैली के गुरुवार को 11वें प्रदेश में प्रवेश के मौके पर हुए कार्यक्रम में उन्होंने अभियान में राजनीतिक दल शामिल होने की प्रशंसा की। युवाओं से नदियों के लिए काम करने की अपील की। कहा कि सरकार को लगता है कि राज्य में मैनपावर नहीं है। अतः अब जलस्रोतों को बचाने लोगों को आगे आना होगा। अभियान के तहत रैली 16 राज्यों से होकर 2 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंचेगी। जहां सद्गुरु प्रधानमंत्री को एक पॉलिसी सौंपेगे, जो देश के 25 वैज्ञानिकों, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय व विदेशी वैज्ञानिकों ने तैयार की है।

नदी अभियान के तहत गुरुवार को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में हुए कार्यक्रम में मौजूद सद्गुरु, मुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्री राजेंद्र राठौड़ व जनसमुदाय।

मामे खान ने दी प्रस्तुति

लोक कलाकार मामे खान, कोलकाता के सैंड आर्टिस्ट ने कई प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में स्कूल-कॉलेजो के छात्र व ग्रामीण भी पहुंचे। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन में अच्छे कार्य करने के लिए तीन सरपंचों को भी सम्मानित किया।

कारों पर बनाई पेंटिंग

रैली में आई गाड़ियों पर कलाकारों ने नदियों के संरक्षण की थीम पर पेंटिंग बनाई। सद्गुरु ने कलाकारों को बधाई दी। कार्टिस्ट के हिमांशु जांगिड़ ने कलाकारों और उनकी बनाई पेंटिंग्स की जानकारी दी। श्रीकांत रंगा की टीम ने कलात्मक कार्य को अंजाम दिया।

सरस्वती को करेंगे पुनर्जीवितः सीएम

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि जल स्वालम्बन योजना के तहत पिछले दो साल में 2.3 लाख बरसाती ढांचे बनाए गए। इस मानसून में लगभग सभी भर गए। जल्द ही तीसरे चरण में और ढांचे बनाकर, पौधरोपण किया जाएगा। जोधपुर-जैसलमेर से लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी को इंटरनेट के माध्यम से ढूंढा है। अब इसे पुनर्जीवित करने का भी प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जयंती पर स्कूल-कॉलेजों में छात्र-छात्राएं नदियों को बचाने के लिए शपथ लेंगे। अभियान में पूरा प्रदेश सद्गुरु का साथ देगा।

समस्या सुलझाने में सद्गुरु बनें माध्यम

मुख्यमंत्री ने पानी को लेकर दूसरे राज्यों के साथ होने वाली परेशानी को भी रखा। उन्होंने सद्गुरु से कहा कि उनकी सभी राज्यों में अच्छी बातचीत है। अगर कहीं भी परेशानी आती है तो उनके माध्यम से ही सुलझाएंगे।

गंगा किनारे 79 प्रतिशत जंगल नष्ट

सद्गुरु ने कहा कि कावेरी नदी कुछ सालों में 40 फीसदी सूख गई है। साढ़े तीन माह से समुद्र में नहीं गिरती। गंगा भी तेजी से सूख रही है। 70 वर्ष में गंगा किनारे 79 प्रतिशत पेड़-पौधों को हटा दिया गया है।

नदी जोड़ने का प्रोजेक्ट ठीक नहीं

सद्गुरु ने कहा कि नदियों को जोड़ना या नहीं जोड़ना वैज्ञानिक काम है। देशभर की नदियों को ऐसे जोड़ दिया जाए कि वे समुद्र में गिरे नहीं, यह नहीं हो सकता। नदियों को जोड़ना राजनीतिक नहीं वैज्ञानिक काम है। नदियों को दोनों ओर एक किमी चौड़ाई में पेड़ लगने की योजना राजस्थान के लिए सही नहीं है। यहां का भू-भाग अलग है। राजस्थान में पहले भी पेड़ नहीं थे। इसलिए हर प्रकार के भू-भाग पर अलग तरह से पानी बचाया जा सकता है।

पुस्तिका का विमोचन

सद्गुरु व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की पुस्तिका का विमोचन किया। ग्रामीण विकास मंत्री राजेन्द्र राठौड़, सामाजिक न्याय मंत्री अरुण चतुर्वेदी, नदी बेसिन प्राधिकरण अध्यक्ष श्रीराम वेदिरे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, जिला प्रमुख मूलचंद मीना, समेत अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

वहीं, सद्गुरु गुरुवार को आमेर पहुंचे और प्राचीन पन्ना मीणा का कुंड देखा। उन्होंने कहा कि आनी पीढ़ियों को जल संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए नदियों व कुंडों पर ध्यान देने की जरूरत है। महापौर अशोक लाहौटी आदि थे।